संपादकीय

पश्चिम बंगाल चुनाव पर बेबाक बोल : परिवर्तन पंथी

राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 4
पृष्ठ : 8
शनिवार 16-30 अप्रैल 2016
मूल्य : ₹2.00
हिन्दी पाक्षिक

आर.एन.आई. नं. HARHIN/2012/41589
संपादक मनोज भारद्वाज
फरीदाबाद

स्वास्थ्य जगत : हाइड्रोपैथी में पानी के जरिए होता है रोगों का उपचार ...

धर्म आस्था : ...आज भी अश्वत्थामा करता है इस मंदिर में सबसे पहले पूजा

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में द्वस्द्वस- आतंकियों ने प्रोफेसर की गला रेतकर हत्या की

ढाका। पश्चिमोत्तर बांग्लादेश में आईएसआईएस के आतंकवादियों ने शनिवार को अंग्रेजी के एक प्रोफेसर की उनके घर के पास उस समय हत्या कर दी जब वह अपने विश्वविद्यालय जा रहे थे। मुस्लिम बहुल देश में ब्लॉगरों, बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं पर

हुए बर्बर हमलों की श्रृंखला में यह ताजा घटना है। पुलिस ने बताया कि राजशाही शहर में राजशाही विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एएफएम रेजाउल करीम सिद्दीकी (58) पर उनके आवास से करीब 50 मीटर दूर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने हमला किया और धारदार हथियार से उनका गला रेत दिया। स्थानीय थाना प्रभारी शहादत हुसैन ने बताया, %सुबह करीब साढ़े सात बजे हमलावरों ने प्रोफेसर पर पीछे से धारदार हथियारों से उस समय वार किया जब वह अपने घर से पैदल विश्वविद्यालय परिसर की ओर जा रहे थे।% उन्होंने बताया कि अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर की तत्काल मौत हो गई और उनकी मौत के बाद हमलावर घटनास्थल से फरार हो गये।

अमेरिका स्थित निजी खुफिया सेवा समूह एसआईटीई ने कहा कि इस्लामिक स्टेट ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। उसने एक ट्वीट में कहा कि आईएसआईएस की एजेंसी अमग ने राजशाही विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की हत्या के लिए समूह की जिम्मेदारी की रिपोर्ट दी है। इसके पहले राजशाही के पुलिस आयुक्त मोहम्मद शम्सुद्दीन ने घटनास्थल पर संवाददाताओं को बताया कि हत्या के तरीके से लगता है कि यह इस्लामी आतंकवादियों का काम हो सकता है। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर के गर्दन पर कम से कम तीन बार हमला किया गया।

उन्होंने बताया कि हमले की प्रकृति से ऐसा प्रतीत होता है कि यह अतिवादी संगठनों का काम है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच, विश्वविद्यालय के नाराज शिक्षकों और छात्रों ने अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग को लेकर विश्वद्यिालय परिसर में रैली निकाली। पिछले वर्ष चार प्रख्यात धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगरों की हत्या कर दी गई थी।

'संघमुक्त भारत' के आह्वान पर नीतीश कुमार का फिर उड़ा मजाक, शाहनवाज हुसैन ने ली चुटकी

कोलकाता। बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष 'संघमुक्त भारत' बनाने के लिए गैर-भाजपा दलों के साथ आने की उनकी अपील का भाजपा ने मजाक बनाया। बीजेपी नेता कहा कि

नीतीश को निशाने पर लेते हुए कहा कि जेडीयू अध्यक्ष दिन में सपने देख रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन ने कहा, %नीतीश कुमार के 'संघमुक्त भारत' का आह्वान करने की कोई विश्वसनीयता नहीं है क्योंकि वह खुद ही कई सालों तक भाजपायुक्त थे।% कुमार पर अपना हमला तेज करते हुए हुसैन ने इस बयान को क्षेत्रीय दल के नेता होने के बावजूद खुद को सुर्खियों में लाने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार का जेडीयू क्षेत्रीय दल है। जिसने बिहार में कभी सभी सीटों पर चुनाव नहीं लड़ा वह राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाने का सपना देख रहे हैं जो कभी साकार नहीं होगा। भाजपा नेता पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने आए हुए थे।

आतंकवादी मसूद अजहर की तरह नहीं हैं उइगर नेता डोल्कन ईसा : कांग्रेस

नई दिल्ली। उइगर नेता डोल्कन ईसा को भारत द्वारा वीजा दिए जाने की खबरों पर चीन ने जहां नाराजगी प्रकट की है। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि डोल्कन जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर की तरह आतंकवादी नहीं है। चीन ने डोल्कन ईसा को आतंकवादी घोषित किया है और उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी है।

मीडिया में आई रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत ने चीन के अलगाववादी नेता और उइगर समुदाय के प्रतिनिधि डोल्कन ईसा को

वीजा दिया है। हालांकि, भारत सरकार ने कहा है कि वह डोल्कन को वीजा दिया जाने संबंधी मीडिया रिपोर्टों पर तथ्य जुटा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने ईसा को वीजा दिया है और उन्हें धर्मशाला में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। डोल्कन जर्मनी में रहते हैं। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने शनिवार को एएनआई से कहा, अजहर मसूद का मामला एकदम स्पष्ट है। वह एक आतंकवादी है। चीन मसूद मामले में चाल चल रहा है। वह भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान की मदद करना चाहता है। मसूद ने खुले तौर पर भारत विरोधी रवैया अपनाया है। मसूद मान चुका है कि वह भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है।

उत्तराखंड सियासी संकट

विधानसभाध्यक्ष ने हाई कोर्ट से बागी विधायकों की अर्जी खारिज करने की मांग की

नैनीताल। खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ कांग्रेस के नौ विधायकों की उच्च न्यायालय में दायर याचिका को उत्तराखंड विधानसभा के अध्यक्ष ने खारिज करने की मांग करते हुए शनिवार को कहा कि इन सबने दल-बदल कानून का उल्लंघन किया और इसके लिए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि नौ बागी विधायकों से पूछा जाना चाहिए कि 'भाजपा के पास वे कैसे गए' और क्या 'उन्होंने संविधान की दसवीं अनुसूची का उल्लंघन नहीं किया है।'

वरिष्ठ वकील ने पूछा, 'अगर उन्होंने दसवीं अनुसूची का उल्लंघन किया है तो फिर अयोग्यता पर रोक की मांग वे कैसे कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'वे अयोग्य ठहराने पर रोक लगाने की मांग कैसे कर सकते हैं जब खंडपीठ (उत्तराखंड उच्च न्यायालय) के मुताबिक उन्होंने दल बदल का संवैधानिक अपराध किया है?' सिब्बल ने न्यायमूर्ति यू सी ध्यानी के समक्ष कहा, 'जब वे भाजपा में शामिल हुए और ज्ञापन (मत विभाजन के लिए) हस्ताक्षर किया तो वे जानते थे कि यह अनैतिक और असंवैधानिक है।' नौ विधायकों की अयोग्यता के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के दौरान वह विधानसभा अध्यक्ष का पक्ष रख रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होकर नौ विधायकों ने 'स्वेच्छा से पार्टी (कांग्रेस) की सदस्यता छोड़ दी है' क्योंकि उन्होंने पार्टी की नीति के खिलाफ वोट दिया और सरकार को गिराने के लिए वोट दिया। सिब्बल ने इस आधार पर उनकी याचिका को खारिज करने की मांग की कि अदालत के समक्ष यह कहकर इन लोगों ने 'फर्जीवाड़ा' किया है कि उन्हें विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दस्तावेज नहीं दिए गए। इस आधार पर भी याचिका खारिज करने की मांग की गई कि याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा नहीं किया जो उनके पास थे और उन्होंने 'अदालतों के अनुक्रम का पालन नहीं किया।'

उन्होंने कहा कि इन तीन आधार पर उच्च न्यायालय को याचिकाकर्ताओं की फाइल पर अनुच्छेद 226 के तहत ध्यान देने की जरूरत नहीं जिसमें उनकी अयोग्यता को चुनौती दी गई है। उन्होंने कहा, 'इन तीन आधार पर गुण-दोष देखे बगैर याचिकाओं को सीधा खारिज कर दिया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि इन नौ लोगों की 'राजनीतिक मंशा' अयोग्यता पर स्थगन हासिल करना था 'ताकि 28 मार्च को शक्ति परीक्षण में वे वोट कर सकें।' सिब्बल ने सवाल किया कि कांग्रेस खरीद-फरोख्त कैसे कर सकती थी जब वह केवल नौ विधायकों को 'वापस लाने का प्रयास' कर रही थी जो भाजपा के खेमे में चले गए थे।

सिब्बल ने कहा, 'भाजपा के साथ सौदा करने के बाद वे (नौ) विधानसभा में गए थे (18 मार्च को)। उन्होंने यह (मत विभाजन) सुबह में योजना बनाई थी।' उन्होंने कहा, 'तो अब हम किस तरह के खरीद फरोख्त की बात कर रहे हैं? 18 मार्च की घटना से पहले भाजपा के खेमे में गए नौ विधायकों की? इसलिए भाजपा खरीद फरोख्त कर सकती है और हम (कांग्रेस) पर अपने विधायकों को वापस लाने का प्रयास करने के लिए खरीद फरोख्त का आरोप लगा रही है।'

शिवसेना नेता की धमकी से बेपरवाह तृप्ति देसाई, कहा-28 अप्रैल को हाजी अली दरगाह जाऊंगी

मुंबई। महाराष्ट्र प्रांत के दो बड़े मंदिरों शनि शिंगणापुर और त्र्यंबकेश्वर मंदिर में महिलाओं के प्रवेश की सफल मुहिम के बाद अब हाजी अली दरगाह के अंदर महिलाओं के प्रवेश को लेकर मुहिम ने जोर पकड़ लिया है। भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई ने शनिवार को कहा कि वह 28 अप्रैल को हाजी अली दरगाह जाएंगी। दरअसल शिवसेना नेता हाजी अराफात ने ऐसा करने पर

तृप्ति को चप्पल से मारने की धमकी दी है। उनकी इस धमकी ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अराफात ने दरगाह में जाकर मजार पर चादर चढ़ाने की बात करने वाली तृप्ति देसाई और अन्य महिला संगठनों को धमकी देते हुए कहा कि वे इसका पुरजोर विरोध करेंगे। अराफात ने कहा, %तृप्ति देसाई ने कहा है कि वे हाजी अली में जाकर मजार को छूएंगी। हम इसकी घोर निंदा करते हैं, हम ऐसा नहीं होने देंगे।% इतना ही नहीं अराफात ने दरगाह में प्रवेश करने वाली औरतों को चप्पल मारने की बात भी कही है। लैंगिक समानता अधिकार कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने शुक्रवार को त्र्यंबकेश्वर मंदिर गयीं और वहां के प्रसिद्ध शिव मंदिर के पवित्र गर्भगृह में पूजा-अर्चना की। इसे शिव के 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक माना जाता है। त्र्यंबकेश्वर पुलिस थाना के प्रभारी एच पी खोले ने बताया कि देसाई ने अपने तीन सहयोगियों के साथ सुबह छह बजे गर्भगृह में शिवलिंग के दर्शन किए और करीब 15 मिनट वहां रहीं।

लोगों को अब भी 'अच्छे दिन' का इंतजार है : अखिलेश यादव

इलाहाबाद। केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि लोगों को अब भी 'अच्छे दिन' का इंतजार है जिसका वादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो वर्ष पहले हुए लोकसभा चुनाव के दौरान किया था। यादव ने कहा, 'उत्तरप्रदेश के लोगों को सावधान रहना चाहिए। भाजपा और बसपा जल्द आपके पास लंबे चौड़े वादे और समाजवादी पार्टी की सरकार के खिलाफ गलत आरोपों के साथ आएंगे क्योंकि वे लोग इसकी लोकप्रियता को लेकर चिंतित हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप लोगों को वर्तमान शासन के तहत हुई अभूतपूर्व प्रगति के बारे में जानकारी हो ताकि आप विपक्षी दलों द्वारा नहीं छले जाएं।' मुख्यमंत्री जिले के दांदुपुर गांव में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे जहां उन्होंने 200 करोड़ रूपये की योजना की शुरूआत भी की। उन्होंने कहा, 'मैं आपसे कहता हूं कि खासकर भाजपा के दुष्प्रचार से सचेत रहें। उन्होंने 2014 में अच्छे दिन के नारे से आपको चित कर दिया और आपके समर्थन से उन्हें हमारे राज्य से सबसे ज्यादा सीट मिली।' यादव ने कहा, 'अब यह पूछने का वक्त आ गया है कि अच्छे दिन कहां हैं। आपको आसपास देखने की जरूरत है और खुद देखें कि क्या आपका स्थानीय भाजपा सांसद अपने क्षेत्र में अच्छे दिन की एक झलक भी ला सका है।'

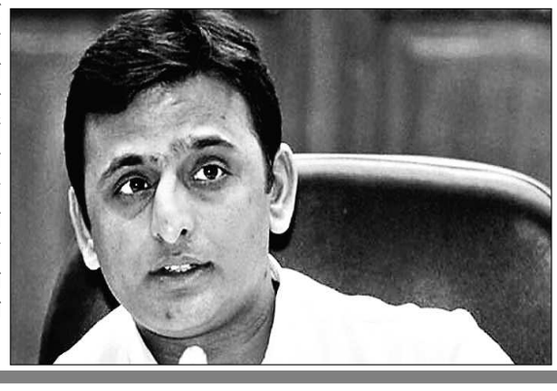

IPL पर एक और मुसीबत, कानपुर में भी दायर हुई याचिका

कानपुर। ग्रीन पार्क में प्रस्तावित आईपीएल के दो मैचों को लेकर एक सामाजिक संस्था ने आज सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत में याचिका दाखिल करके कहा कि कानपुर शहर में पानी की भारी कमी को देखते हुए इन प्रस्तावित मैचों पर रोक लगाई जानी चाहिए। अदालत ने इस मामले की सुनवाई के लिये 25 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। कानपुर के ग्रीन पार्क में 19 मई को गुजरात लॉयन्स और कोलकाता नाइट राइडर्स, जबकि 21 मई को गुजरात लॉयन्स और मुंबई इंडियन के बीच मैच प्रस्तावित हैं। वैसे अभी बीसीसीआई ने इन मैचों के आयोजन को हरी झंडी नहीं दी है। लक्ष्य सामाजिक संस्था की अनीता दुआ ने शुक्रवार को अपने वकील के माध्यम से शहर के सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत में याचिका दाखिल की है कि शहर में पानी की भारी कमी है और रोजाना पानी को लेकर शहर में कई जगह हंगामा होता है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी और ममता पर बोला हमला

श्यामपुर (पश्चिम बंगाल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'झूठ का सहारा लेने और लोगों को झांसा देने' का आरोप लगाते

हुए कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उन लोगों ने लाखों नौकरियों का वादा किया था लेकिन 'एक भी व्यक्ति को रोजगार नहीं मिला।'

राहुल गांधी ने कहा, 'ममता जी और मोदी जी झूठे वायदे कर रहे हैं। ममता जी ने 70 लाख लोगों को रोजगार देने की बात की थी जबकि मोदी जी ने कहा था कि उनकी सरकार दो करोड़ लोगों को रोजगार देगी। लेकिन एक भी व्यक्ति को रोजगार नहीं मिला है।' उन्होंने यहां एक चुनावी सभा में माकपा नेताओं के साथ मंच साझा करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में बंगाल 'कब्रिस्तान' में तब्दील हो गया है। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर भी ममता सरकार पर निशाना साधा।राहुल गांधी ने कहा कि सारदा और नारद घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी।

कोलकाता में हाल ही में एक फ्लाईओवर के ध्वस्त जाने की घटना का जिक्र करते हुए राहुल ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी पार्टी के व्यक्ति को सामग्री की आपूर्ति का ठेका दिया था, जिसने घटिया सामग्री की आपूर्ति की।

उन्होंने ममता और मोदी पर 'बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के बारे में झूठ बोलने का' आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी ने काला धन वापस लाने और भ्रष्टाचार से मुकाबला करने का वादा किया था लेकिन कुछ नहीं किया गया है। राहुल ने कहा, 'मोदी सरकार कालेधन को सफेद करने के लिए कानून लाई, जिसे मैं 'फेयर एंड लवली स्कीम' कहता हूं।' उन्होंने कहा, 'बंगाल में पहले काफी उद्योग होते थे। लेकिन अब तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में, बंगाल कब्रिस्तान में बदल गया है। बंगाल में सिर्फ सिंडिकेट का उद्योग फलफूल रहा है।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस.वाम गठबंधन के लिए समर्थन की मांग करते हुए राहुल ने कहा कि अगर गठबंधन की सरकार बनती है।

बलिया में पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर ग्रहण, किसानों का विरोध

बलिया (उप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक मई को यहां होने वाले कार्यक्रम से पहले ही मालदेपुर के किसानों ने अपनी जमीन पर बिना अनुमति कार्यक्रम की तैयारियां किये जाने पर विरोध प्रकट किया है। मालदेपुर जिला मुख्यालय के निकट बलिया-लखनऊ राजमार्ग पर है। यहां के किसानों ने अपनी जमीन पर बिना अनुमति कार्यक्रम की तैयारियां किये जाने पर विरोध प्रकट किया है। प्रधानमंत्री एक मई को यहां अपनी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट 'उज्जवला' की शुरूआत करने आ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार झा ने आज बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय से मिले पत्र में बलिया दौरे की जानकारी दी गयी है। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के अधिकारी भी शनिवार को बलिया पहुंच जाएंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की देखरेख के लिए केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी यहां पहुंच रहे हैं।

आईआईटी छात्रा ने सीनियर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

कानपुर। आईआईटी कानपुर से बैचलर आफ साइंस (बीएस) फिजिक्स, करने वाली भोपाल की 23 वर्षीय छात्रा ने पटना के रहने वाले अपने एक साल सीनियर छात्र पर पिछले दो साल से यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। इस मामले की जांच प्रशासन ने वुमेन सेल (महिला प्रकोष्ठ) से करवाई और मामला सही पाया। इसके बाद छात्र को कालेज से टर्मिनेट (निष्काषित) कर दिया। छात्र ने इस संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट में गुहार लगायी है।

आईआईटी के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (डिप्टी रजिस्ट्रार) ने बताया कि बीएस फिजिक्स की तीसरे साल की छात्रा ने पांच जनवरी 2016 को संस्थान की वुमेन सेल को शिकायत की बीएस फिजिक्स के ही एक सीनियर छात्र ने पिछले दो वर्षों में

कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया।

दोनों छात्र और छात्रा आईआईटी के ही अलग-अलग हास्टल में रहते थे। छात्रा की इस शिकायत पर आईआईटी प्रशासन ने वुमेन सेल को मामले की जांच करने को कहा। वुमेन सेल की जांच में छात्रा के आरोप सही पाये गये। इस बारे में जब छात्र से सवाल किये गये तो उसने इस बाबत कोई भी ठीक जवाब नहीं दिया। इसके बाद वुमेन सेल ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट आईआईटी प्रशासन को सौंपी। प्रशासन ने यह रिपोर्ट आईआईटी सीनेट में रखी उसके बाद सीनेट ने पांच अप्रैल 2016 को छात्र को आईआईटी से टर्मिनेट (निष्काषित) कर दिया। इसके बाद छात्र परीक्षा भी नही दे पाएगा।

आईआईटी से निष्काषन के बाद छात्र आआईटी प्रशासन के खिलाफ हाईकोर्ट इलाहाबाद चला गया है। आईआईटी प्रशासन के अनुसार हाईकोर्ट से इस पूरे मामले की जानकारी मांगी गयी है जो हाईकोर्ट को उपलब्ध कराई जा रही है। आईआईटी निदेशक प्रो इन्द्रनील मन्ना ने इस मामले की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने इसके संबंध में ज्यादा जानकारी देने से इंकार कर दिया।